प्लैनेट बनाम प्लास्टिक अभियान, छात्रो, अभिभावकों, व्यवसायियों, सरकारों, धार्मिक संगठन, यूनियनों, व्यक्तिगत और गैर सरकारी संगठनों को मानव और हमारे गृह के स्वास्थ्य की खातिर प्लास्टिक का अंत करने की मांग करता है, साथ ही 2040 तक प्लास्टिक के उत्पादन में 60% की कमी करने और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्लास्टिक मुक्त भविष्य बनाने के परम लक्ष्य को पाने के लिए एक अटूट प्रतिबद्धता में एकजुट करता है:
इस दिशा में, अर्थ डे. ऑर्गेनाइजेशन (EARTHDAY.ORG) के लक्ष्य हैं:

(1)प्लास्टिक की वज़ह से इंसान, जानवर और सभी प्रकार के जीवों के स्वास्थ्य को होने वाले नुकसान के बारें में व्यापक जागरूकता बढ़ावा देना और इससे सेहत पर पढ़ने वाले प्रभावों पर ज्यादा से ज्यादा शोध करना, जिससे इससे होने वाले प्रभावों से संबंधी सभी जानकारियों को सार्वजनिक करने की मांग शामिल है; (2) 2030 तक सभी सिंगल-यूज प्लास्टिक को तेजी से खत्म करना और और 2024 में प्लास्टिक प्रदूषण पर होने वाली संयुक्त राष्ट्र संधि में इस बारे में प्रतिबद्धता हासिल करना; (3) तेजी से बदलते फैशन की बुराई व उसके द्वारा बड़ी मात्रा में पैदा होने वाले और उपयोग होने वाले प्लास्टिक की रोकथाम की नीतियों की मांग करना; और (4) नयी टेक्नॉलजी और सामग्रियों में निवेश करके एक प्लास्टिक-मुक्त विश्व का निर्माण करना।

"प्लैनेट वर्सेस प्लास्टिक अभियान एक संघर्ष की ललकार है, एक मांग है कि हम अब कार्रवाई करें और प्लास्टिक की बुराई को समाप्त करें और हमारे ग्रह पर हर जीवित प्राणी के स्वास्थ्य की सुरक्षा करें।" **कैथलीन रोजर्स – अध्यक्ष**

"पर्यावरण शब्द का अर्थ है जो आपको चारों ओर से घिरा हुआ है। प्लास्टिक के मामले में हम स्वयं उत्पाद बन गए हैं - यह हमारे शरीर में रक्त प्रवाह के माध्यम से बहता है, हमारे आंतरिक अंगों से चिपक जाता है, और कैंसर जैसी बीमारी का कारण बनने वाली भारी धातुओं को अपने साथ हमारे शरीर के अंदर ले जाता है। किसी समय माने जाने वाला यह अद्भुत और उपयोगी उत्पाद अब कुछ और ही हो गया है, और इससे हमारा और अन्य सभी जीवित प्राणियों का स्वास्थ्य अधर में लटक गया है," अर्थ डे. ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष कैथलीन रोजर्स के शब्दों में" "प्लैनेट वर्सेस प्लास्टिक अभियान एक संघर्ष की ललकार है, एक मांग है कि हम अब कार्रवाई करें और प्लास्टिक की बुराई को समाप्त करें और हमारे ग्रह पर हर जीवित प्राणी के स्वास्थ्य की सुरक्षा करें।"

प्लास्टिक हमारे सामने मुंह खोले हुए खड़ी एक बड़ी पर्यावरणीय समस्या बन गया है; यह मानव स्वास्थ्य के लिए जलवायु परिवर्तन जैसा खतरनाक खतरा सामने ला रहा हैं। जैसे ही प्लास्टिक माइक्रोप्लास्टिक में टूटता है, यह हमारे भोजन और जल स्रोतों में जहरीले रसायनों को छोड़ने लगता हैं और जिस हवा में हम सांस लेते हैं उसके जरिए फैलने लगता हैं। प्लास्टिक का उत्पादन अब प्रति वर्ष 380 मिलियन टन से अधिक हो गया है। पिछले दस वर्षों में पूरी 20वीं सदी में बनाए गए प्लास्टिक से अधिक प्लास्टिक बनाया गया है, और यह उद्योग भविष्य में और भी तेजी से आगे बढ़ने की योजना बना रहा है।

अर्थ डे. ऑर्गेनाइजेशन के पूर्व अध्यक्ष डेनिस हेस ने बताया "यह सारा प्लास्टिक पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्री से निर्मित हुआ था, जिसमें विषैले स्त्राव, फैलाव और विस्फोटक पदार्थो का एक खराब रिकॉर्ड मौजूद था।" "प्लास्टिक का उत्पादन उन प्रदूषणकारी फैक्टरियों में किया जाता है जो हमेशा गरीब लोगों के इलाकों में स्थित होती हैं। कुछ प्लास्टिक उत्पाद जलने पर घातक होते हैं; अन्य प्लास्टिक हार्मोन को रोकने वाले रसायनों को फैलाते हैं; और सभी तरह के प्लास्टिक पक्षियों को भूखा मार सकते हैं और समुद्री जीवों का दम भी घोंट सकते हैं। जीवन चक्र के हर चरण में, तेल के कुएं से लेकर शहर के कूड़ेदान तक, प्लास्टिक एक खतरनाक अभिशाप बग गया है।"

पिछले साल, दुनिया भर में 500 बिलियन से अधिक प्लास्टिक बैग - या प्रति मिनट दस लाख बैग - का उत्पादन किया गया था। कई प्लास्टिक थैलियों का उपयोग केवल कुछ मिनटों के लिए ही किया जाता है, जिसके बाद वे सदियों तक ऐसे ही पड़े रहते हैं। प्लास्टिक विघटित होने के बाद भी, वे माइक्रोप्लास्टिक्स, सूक्ष्म कणों के रूप में बने रहते हैं जो हमारे ग्रह पर जीवन के हर क्षेत्र में घुस जाते हैं।

दुनिया भर में 500 बिलियन से ज्यादा प्लास्टिक बैग - यानि प्रति मिनट दस लाख बैग - का उत्पादन पिछले साल किया गया था।कई प्लास्टिक थैलियों का उपयोग केवल कुछ मिनटों के लिए ही किया जाता है, जिसके बाद वे सालों तक ऐसे ही पड़े रहते हैं।पूरी तरह से खंडित होने के बाद भी, प्लास्टिक माइक्रोप्लास्टिक्स, सूक्ष्म कणों के रूप में बने रहते हैं जो हमारे ग्रह पर जीवन के हर पहलू में शामिल हो जाते हैं।

पिछले साल संयुक्त राज्य अमेरिका में प्लास्टिक की तकरीबन 100 अरब बोतलें बेची गई थी। यह संख्या प्रति नागरिक 300 बोतल से भी ज्यादा है। इनमें से कुछ बोतलों को तो पार्कों में बेंचों के तौर पर बदल दिया जाएगा, इनमें से किसी को भी बोतल के रूप में दोबारा इस्तेमाल नही किया जाएगा, और अमेरिका में 95% प्लास्टिक का रीसायकल बिल्कुल भी नही होगा।यहां तक कि रीसायकल होने वाले 5% प्लास्टिक को घटिया उत्पादों

में "डाउनसाइक्लिंग" किया जाता है या "रीसाइक्लिंग" के लिए गरीब देशों में भेज दिया जाता है, जिससे नए प्लास्टिक की मांग कभी भी कम नहीं हो पाती।

लोग प्लास्टिक का इस्तेमाल करते समय शायद ही पानी के बारें में सोचते हैं।लेकिन प्लास्टिक वाली पानी की बोतल बनाने में, बोतल में मौजूद पानी से छह गुना ज्यादा पानी की जरूरत होती है।

अर्थ डे.ऑर्गेनाइजेशन मांग करती है कि प्लास्टिक प्रदूषण पर इंटरनेशनल नेगोशिएटिंग कमेटी (INC) वैश्विक प्लास्टिक संधि में 2030 तक सिर्फ एक-बार उपयोग होने वाले प्लास्टिक के उत्पादन को समाप्त करना अनिवार्य करें। इसके अलावा, हम मांग करते है कि इस संधि को एहतियाती नियम और जो प्रदूषण पैदा करेगा वही उसे रोकने के लिए भुगतान करेगा के सिद्धांत का उपयोग करते हुए लागू किया जाएं।

"यह सारा प्लास्टिक एक पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज़ के जहरीली गैसों के रिसाव,फैलाव और विस्फोटों के बेहद खराब रिकार्ड के साथ उत्पादित किया गया था।" **डेनिस हेस – पूर्व अध्यक्ष**

तेजी से बदलता फैशन उद्योग सालाना 100 अरब से भी ज्यादा कपड़ों का उत्पादन करता है। अतिउत्पादन और ज्यादा उपभोग ने इस उद्योग को बिल्कुल बदल दिया है, अब फैशन बेहद रफ्तार से बदलता है। अब लोग15 साल पहले की तुलना में 60% ज्यादा कपड़े खरीदते हैं, लेकिन उनका इस्तेमाल पहले से आधे समय के लिए ही किया जाता है।

लगभग 85% कपड़ों को लैंडफिल या जलाने के लिए भेजा जाता हैं, केवल 1% को ही रीसायकल किए जाते है। लगभग 70% कपड़े कच्चे तेल से बने होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप धोने पर खतरनाक माइक्रोफाइबर निकलता हैं और ऐसे कपड़े लैंडफिल में लंबे समय तक प्रदूषण को बढ़ाते है।

सामाजिक अन्याय और फैशन सीधे तौर पर जुड़े हुए हैं, शोषित करने वाली कामकाजी परिस्थितियों, कम मजदूरी और हर जगह फैला हुआ बाल श्रम भी इसमें शामिल है। काफी लंबे समय से, यह उद्योग एक जर्जर सप्लाई चेन और सरकारी नियमों के पूर्ण अभाव पर आश्रित रहा है।

प्लैनेट बनाम प्लास्टिक अभियान के बारे में और एक प्लास्टिक-मुक्त भविष्य के लिए इस आंदोलन से जुड़ने के लिए, कृपया: अर्थ डे 2024 देंखे। मानव स्वास्थ्य पर प्लास्टिक के पड़ने वालें दुष्प्रभावों के बारे में और भी ज्यादा जानकारी पाने के लिए, प्लास्टिक्स हेल्थ

रिसर्च मॉड्यूल और अर्थ डे. ऑर्गेनाइजेशन के अर्थ हब की सभी फैक्ट शीट्स, टूलकिट्स, प्रेस रिलीज़ और आर्टिकल्स देखें।